नाथ पब्लिकेशन
आर्थिक सर्वे 2023-24
एवं
नवीनतम बजट 2024-25
(विनोद टेलर)

टेलीग्राम पर जुड़ने के लिए इस लिंक को स्केन करें।

5 आर्थिक सर्वे 2023-24 - कृषि

- भारतीय कृषि क्षेत्र लगभग 42.3 प्रतिशत आबादी को आजीविका सहायता प्रदान करता है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में वर्तमान मूल्य पर इसकी हिस्सेदारी 18.2 प्रतिशत है। इस क्षेत्र ने पिछले पांच वर्षों में स्थिर कीमतों पर 4.18 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है।
- 2023-24 के अनंतिम अनुमानों के अनुसार,कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 1.4 प्रतिशत रही, जो कि 2022-23 में 4.7 प्रतिशत से कम है, जिसका मुख्य कारण अलनीनो के कारण विलंबित और खराब मानसून के कारण खाद्यान्न उत्पादन में गिरावट है।
- संबद्ध गतिविधियों - पशुधन और मत्स्य पालन ने अनाज जैसी पारंपरिक फसलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।
- 2022-23 में मौजूदा कीमतों पर कृषि जीवीए में फसल क्षेत्र की हिस्सेदारी 2014-15 के 61.75 प्रतिशत की तुलना में 55.28 प्रतिशत है।
- **भारत चावल, गेहूं , कपास और गन्ने में दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और दूध दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है** फिर भी देश में फसल की पैदावार अन्य प्रमुख उत्पादकों की तुलना में बहुत कम है।
- 2022-23 में **खाद्यान्न उत्पादन 329.67 मिलियन टन** के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया और तिलहन उत्पादन 41.4 मिलियन टन तक पहुंच गया। **2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन लगभग 328.8 मिलियन टन है** जिसका मुख्य कारण खराब और विलंबित मानसून है। अन्य फसलों जैसे श्री अन्न/पोषक अनाज और कुल तिलहन के उत्पादन में मामूली वृद्धि हुई। पोषक अनाज में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई।
- सरकार धान की खेती के लिए वैकल्पिक फसलों की बेहतर उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन और प्रचार करने तथा दलहनी फसलों की खेती के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता को बहाल करने के लिए **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) को लागू का रही है।**
- सरकार वनस्पति तेलों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 2018-19 से केंद्र प्रायोजित योजना, **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - तिलहन एवं पाम ऑयल (एनएफएसएम- ओएसएंडओपी) को लागू कर रही है।**
- किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि क्षेत्र की आय में 10.4 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि होनी चाहिए, जिसके लिए कृषि निवेश में 12.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर की आवश्यकता होगी।
- 2011-12 और 2020- 21 के बीच कृषि क्षेत्र को दी जाने वाली सब्सिडी दोगुनी से अधिक हो गई, जिसमें सबसे तेज वृद्धि **उर्वरक और बिजली** में देखी गई।
- निजी निवेश को आकर्षित करने हेतु सरकार 2014 से एकीकृत कृषि विपणन योजना की कृषि विपणन अवसंरचना उप - योजना को लागू कर रही है जिसके तहत भंडारण अवसंरचना में सुधार करने के उद्देश्य से सब्सिडी प्रदान की जाती है।
- **कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ)** को वित्त वर्ष 2020-21 से 2025-26 के बीच वितरित किए जाने वाले 1 लाख करोड़ रूपये की वित्तपोषण सुविधा के साथ लॉन्च किया गया। एआईएफ फसल कटाई के बाद के प्रबंधन और सामुदायिक खेती परियोजनाओं के लिए मध्यम अवधि के ऋण वित्तपोषण प्रदान करता है तथा ब्याज अनुदान और ऋण गारंटी सहायता भी प्रदान करता है।
- भारतीय कृषि पर छोटे भूमिधारकों का वर्चस्व बना हुआ है। लगभग 89.4 प्रतिशत कृषि परिवारों के पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है।
- गैर - संस्थागत ऋण की हिस्सेदारी 1950 में 90 प्रतिशत से घटाकर 2021-22 में 23.40 प्रतिशत हो गई है।
- 31 जनवरी 2024 तक बैंकों द्वारा 7.5 करोड़ केसीसी जारी किए।
- मत्स्य पालन और पशुपालन गतिविधियों की कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2018-19 में किसान क्रेडिट कार्ड को बढाया गया।
- 31 मार्च, 2024 तक, मत्स्य पालन और पशुपालन गतिविधियों के लिए क्रमश: 3.49 लाख केसीसी और 34.5 लाख केसीसी जारी किए गए।
- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसान नामांकन के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना है और बीमा प्रीमियम के मामले में तीसरी सबसे बड़ी योजना है।** यह योजना किसानों को बुवाई से पहले से लेकर कटाई के बाद तक सभी

गैर - रोकथाम योग्य प्राकृतिक जोखिमों के विरूद्ध फसलों के लिए व्यापक जोखिम कवर सुनिश्चित करने के लिए एक सरल और किफायती फसल बीमा उत्पाद प्रदान करती है।

- **डिजी-क्लेम पेमेंट मॉड्यूल** - सरकार को पात्र दावों की मात्रा, बीमा कंपनी द्वारा भुगतान किए गए दावों और लाभार्थी किसानों को हस्तांतरित वास्तविक दावों की जानकारी होगी।
- **प्रौद्योगिकी पर आधारित उपज अनुमान (यस - तकनीक)** - एक प्रौद्योगिकी आधारित उपज अनुमान तंत्र है जिसे दो साल के कठोर परीक्षण और देश के 100 जिलों में चलने वाले पायलट के बाद विकसित किया गया है। नौ राज्य अर्थात असम, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश,तमिलनाडू और कर्नाटक और ओडिशा, खरीफ 2023 सीजन से यस - तकनीक को लागू कर रहे है।
- **मौसम सूचना नेटवर्क और डेटा सिस्टम (डब्ल्यू आई एन डी एस)** - तालुक/ ब्लॉक और ग्राम पंचायत (जीपी) स्तरों पर स्वचालित मौसम स्टेशनों और वर्षा गेज का एक नेटवर्क स्थापित करने की एक अग्रणी पहल है।
- **फसलों के वास्तविक समय के अवलोकन और तस्वीरों का संग्रह (क्रोपिक)**- एक पहल है जो फसलों के जीवन चक्र के दौरान आवधिक तस्वीरें एकत्र करने के लिए शुरू की गई है।
- 14 मार्च 2024 तक ई-नाम पोर्टल पर 1.77 करोड़ से अधिक किसान और 2.56 लाख व्यापारी पंजीकृत हो चुके है।
- भारत सरकार ने 2027 -28 तक रूपये हजार करोड़ के बजट परिव्यय के साथ 2020 मे 10000 एफपीओ बनाने और बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना **(सीएसएस) शुरू की।**
- **कृषि यंत्रीकरण पर उप मिशन** - राज्य सरकार को कृषि मशीनरी के प्रशिक्षण और प्रदर्शन, कस्टम हायरिंग सेटर (सीएचसी) की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करता है।
- 2022-23 तक लगभग 68.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को जैविक खेती के अतर्गत लाया गया। **सिक्किम** पूरी तरह से जैविक बनने वाला दुनिया का **पहला राज्य** बन गया।
- भारत में उर्वरक की खपत असंतुलित है और अधिकांश फसलों में इस्तेमाल किए जाने वाले नाइट्रोजन उर्वरकों मे यूरिया का हिस्सा 82 प्रतिशत अधिक है।
- **एग्री स्टैक**- एग्री स्टैक सरकार द्वारा स्थापित डिजिटल नींव है, जो भारत के कृषि को बेहतर बाने के लिए विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाने को आसान बनाती है।

  - यह सुनिश्चित करेगा कि सब्सिडी वाले उर्वरक केवल उन लोगों को बेचे जाएं जिन्हें किसान के रूप में पहचाना जाता है।
- **ई-रूपी** - एक सहज एकमुश्त भुगतान प्रणाली है, जिसका उपयोग किसान को सीधे आवश्यक सब्सिडी प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।
- **डिजिटल कृषि मिशन 2021-2025** का उद्देश्य एआई, रिमोट सेसिंग , ड्रोन आदि जैसी उन्नत तकनीकों के माध्यम से कृषि को आधुनिक बनाना है।

पशुपालन -

- 2014-15 से 2022-23 तक पशुधन क्षेत्र स्थिर कीमतों पर 7.38 प्रतिशत की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है।
- कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में कुल जीवीए (स्थिर मूल्यों पर) में पशुधन क्षेत्र का योगदान 2014-15 में 24.32 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 मे 30.38 प्रतिशत हो गया।
- 2022-23 में, पशुधन क्षेत्र ने कुल जीवीए में 4.66 प्रतिशत का योगदान दिया। भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला मत्स्य पालन क्षेत्र कृषि जीवीए में लगभग 6.72 प्रतिशत योगदान देता है और 2014-15 और 2022-23 (स्थिर मूल्यों पर) के बीच 8.9 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ा है। यह 'सनराइज सेक्टर' लगभग 30 मिलियन लोगों विशेष रूप से कमजोर समुदायों को सहायता प्रदान करता है।
- 2022-23 में भारत ने 17.54 मिलियन टन का रिकॉर्ड मछली उत्पादन हासिल किया,जो वैश्विक स्तर पर **तीसरे स्थान पर है और वैश्विक उत्पादन का 8 प्रतिशत है।**
- 2022-23 में कृषि अनुसंधान पर कृषि जीवीए के 0.43 प्रतिशत के बराबर व्यय किया गया।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) देश में कृषि अनुसंधान में शीर्ष संगठन है।

खाद्य प्रसंस्करण -

- भारत दूध का **सबसे बड़ा उत्पादन** है और **फलों सब्जियों** और चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग संगठित विनिर्माण में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, जिसका संगठित क्षेत्र में कुल रोजगार मे 12.02 प्रतिशत हिस्सा है। 2022-23 के दौरान प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात सहित कृषि - खाद्य निर्यात का मूल्य 46.44 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो भारत के कुल निर्यात का लगभग 11.7 प्रतिशत है।
- 2022-23 तक समाप्त होने वाले पिछले आठ वर्षों के दौरान, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र 2011-12 की कीमतों पर लभभग 5.35 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर (एएजीआर) से बढ़

रहा है।

- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में जीवीए 2013-14 में 1.30 लाख करोड़ रूपये से बढ़कर 2022-23 में रूपये 1.92 लाख करोड़ रूपये हो गया है। 2011-12 की कीमतों पर 2022-23 में विनिर्माण में जीवीए का 7.66 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र का था।

- सरकार ने **01 जनवरी 2024** से प्रभावी पांच साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों (यानी अंत्योदय अन्न योजना परिवारों और प्राथमिकता वाले परिवारों लाभार्थियों) को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करना जारी रखने का विनिश्चय किया है।

उद्योग

- वित्त वर्ष 2024 में औद्योगिक विकास में तेजी आई, जिसमें विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र सबसे आगे रहे।

- वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि दर -9.5%
- सकल मूल्य वर्धन में विनिर्माण का योगदान - 14.3%
- विनिर्माण क्षेत्र ने पिछले दशक में 5.2 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल की।

सीमेंट -

- सीमेंट उद्योग भारत में निर्माण क्षेत्र में लगभग 11 प्रतिशत इनपुट लागत का योगदान देना है। भारत चीन के बाद दुनिया का **दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक** है।
- वित्त वर्ष 24 में सीमेंट उत्पादन लगभग 427 मिलियन टन है। सीमेंट उद्योग का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु महाराष्ट्र उत्तरप्रदेश छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल राज्यों में केन्द्रित है।
- उद्योग के पास घरेलु सीमेंट की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। आयातित सीमेंट की मात्रा कुल घरेलु सीमेंट उत्पादन का लगभग 0.2 प्रतिशत है।

इस्पात क्षेत्र -

- निर्माण क्षेत्र में सभी इनपुट में लोहा और इस्पात का योगदान लगभग 47 प्रतिशत है। वित्त वर्ष - 2024 के दौरान इस्पात क्षेत्र ने उत्पादन और खपत का उच्चतम स्तर हासिल किया।
- आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और इस्पात क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने अक्टूबर 2023 में बस्तर जिले मे नगरनार इस्पात संयंत्र की स्थापना की।
- कोयले से चलने वाली बिजली उत्पादन कुल बिजली उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत है पिछले पाँच वर्षों में कोयले के उत्पादन में तेजी आई है जिससे आयात पर निर्भरता कम हुई है।
- कोयला/ लिग्नाइट गैसीफिकेशन परियोजनाओं को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण प्रदान करने के लिए 2023-24 के दौरान 8500 करोड़ रूपये के परिव्यय वाली एक योजना शुरू की गई है।
- कोयला निकासी के लिए तकनीकी रूप से सक्षम, एकीकृत और लागत प्रभावी रसद विकसित करने के लिए **फरवरी 2024 में एकीकृत कोयला रसद नीति और योजना शुरू** की गई।
- मई 2023 में संशोधित कोयला ब्लॉक आवंटन नियम, 2017 को अधिसूचित किया गया।
- कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) 2025-26 तक बिजली खनन कार्यों के लिए 3000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करेगी।

फार्मास्यूटिकल्स-

- भारत का दवा बाजार वर्तमान में **50 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का है और यह मात्रा के हिसाब से दुनिया का **तीसरा सबसे बड़ा बाजार** है।

- इसे 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जाता है, जो 60 चिकित्सीय श्रेणियों में लगभग 60,000 जेनेरिक ब्रांड प्रदान करती है, जो मात्रा के हिसाब से वैश्विक जेनेरिक दवा निर्यात 20 प्रतिशत है **शीर्ष 20 वैश्विक जेनेरिक कंपनियों में से आठ भारत में स्थित है।** भारत बल्क ड्रग्स का शुद्ध निर्यातक बन गया है।
- प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र (पीएमबीजेके) जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए खुले हैं। अब तक सभी जिलों को कवर करते हुए 12500 से अधिक पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं।
- फार्मा उद्योग के 2023 तक 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

कपड़ा उद्योग-

- परिधान क्षेत्र सहित वस्त्रों ने वित्त वर्ष 2022-23 में रूपये 3.77 लाख करोड़ का सकल मूल्य वर्धित किया, जो प्रचलित कीमतों पर विनिर्माण जीवीए का लगभग 10.6 प्रतिशत था।

- **भारत दुनिया दुसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्माता है और शीर्ष पांच निर्यातक देशों में से एक है।** वित्त वर्ष 24 में कुल निर्यात में सबसे बडी हिस्सेदारी (41 प्रतिशत) रेडीमेड कपड़ों की है जिसका निर्यात रूपये 1.2 लाख करोड़ था, इसके बाद सूती वस्त्र (34 प्रतिशत) और मानव निर्मित वस्त्र (14 प्रतिशत) का स्थान है।
- भारत की कपड़ा और परिधान उत्पादन क्षमता का अधिकांश हिस्सा एमएसएमई के कारण है, जो इस क्षेत्र मे 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है।
- भारत के परिधान क्षेत्र जिसमें कच्चे माल मुख्य रूप से महाराष्ट्र , गुजरात और तमिलनाडु से प्राप्त होते है, जबकि कताई क्षमताएँ दक्षिणी राज्यों में केंद्रित है।
- तमिलनाडु,तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में वित्त वर्ष 28 तक रूपये 4,445 करोड़ रूपये के बजट के साथ **सात पीएम मित्र** पार्क स्थापित किए जाएंगे।

  - पार्को में 1000 एकड़ का औद्योगिक बुनियादी ढांचा और 'प्लग एंड प्ले' सुविधाएं होंगी।
- वित्त वर्ष 2021 के लिए1,480 करोड़ के परिव्यय के साथ शुरू किया गया **राष्ट्रीय तकनीक वस्त्र मिशन** विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी वस्त्रों के उपयोग को बढाने पर केंद्रित है।
- वित्त वर्ष 22 से वित्त वर्ष 26 के लिए रूपये 998 करोड़ के परिव्यय के साथ **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम** (एनएचडीपी) को मंजूरी दी गई है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में 96 छोटे हथकरघा क्लस्टर स्थापित करने की पहल की गई। नौ मेगा हथकरघा क्लस्टर भी स्थापित किए गए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स-

- भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र ने 2014 से उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया है, जो वित्त वर्ष 22 में वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का अनुमानित 3.7 प्रतिशत है। वहीं वित्त वर्ष 22 में इस उद्योग ने भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 4 प्रतिशत का योगदान दिया। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का वित्त वर्ष 23 में निर्यात बढ़कर 1.9 लाख करोड़ हो गया। भारत तेजी से इस क्षेत्र में निवेश के लिए एक आकर्षत गंतव्य बन गया है।
- मोबाइल फोन के उत्पादन में प्रत्यक्ष कार्यबल वित्त वर्ष 2017 से वित्त वर्ष 2022 के बीच तीन गुना से अधिक हो गया है।
- **आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई 2.0** - (मई 2023 में अधिसूचित) इस योजना का उद्देश्य बिक्री और निवेश सीमा से जुड़े घटकों और उप-असेंबली के स्थानीयकरण को प्रोत्साहित करके विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को व्यापक और गहरा बनाना है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी / ईएमसी 2.0) योजना**- 2012 में शुरू की गई ईएमसी योजना भारत मे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्याण को आकर्षित करने के लिए ईएमसी परियोजनाओं और सामान्य सुविधा केंद्रो का समर्थन करती है।

  - अप्रैल 2020 में अधिसूचित ईएमसी 2.0 योजना उपरोक्त परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

मोटर वाहन -

- पिछले पाँच वर्षों की तुलना में वित्त वर्ष 20 से वित्त वर्ष 23 के दौरान ऑटोमोटिव पार्ट्स उत्पादन और खपत के मूल्य में वृद्धि कम हुई है।
- महामारी ने ऑटो मोबाइल क्षेत्र को काफी प्रभावित किया, जिससे ऑटोमेटिव पार्ट्स की मांग कमजोर हुई।
- भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढावा देने की योजना (एसपीएमईपीसीआई) को मार्च 2024 में मंजूरी दी गई थी।
- जुलाई 2024 तक 4 महीने की अवधि के लिए रूपये 500 करोड़ के परिव्यय के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम 2024 (ईएमपीएस 2024) इसका उद्देश्य पंजीकृत ई-रिक्शा, ई-कार्ट और एल5 सहित ई2 व्हीलर्स और ई3 व्हीलस को तेजी से अपनाना है।
- **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम**- वित्त वर्ष 2022 के दौरान अखिल भारतीय विनिर्माण उत्पादन में एमएसएमई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत थी ।
- 2023 -24 में अखिल भारतीय निर्यात में एमएसएमई - निर्दिष्ट उत्पादों के निर्यात की हिस्सेदारी **45.7 प्रतिशत** थी।
- जुलाई 2020 मे लॉन्च किया गया **उद्यम पंजीकरण पोर्टल**, स्व घोषणा के आधार पर एक सरल ऑनलाइन और नि:शुल्क पंजीकरण प्रक्रिया प्रदान करके एमएसएई को औपचारिक बनाने में सहायक है। 05 जुलाई 2024 तक, उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर 4.69 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत है।
- **केंद्रीय बजट 2023-24** - में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंट ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) को रूपये 9,000 करोड़ आवंटित किए गए, जिसका लक्ष्य कम लागत के साथ अतिरिक्त रूपये 2 लाख करोड़ का ऋण उपलब्ध कराना है।
- वर्ष 2018 में भारत के विविध जिलों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले में उत्पादित एक एकल, प्रतिष्ठित उत्पाद के माध्यम से प्रत्येक जिले की विशिष्ट शक्तियों

की पहचान, ब्रांडिंग और प्रचार करने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल शुरू की ।

– इस पहल ने अब तक देश भर के 761 जिलों से 1102 उत्पादों की पहचान की है।

❖ वित वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में घोषणा की गई कि अपने राज्य की राजधानी या सबसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र या वित्तीय राजधानी में एक **'यूनिटी मॉल'** स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और अन्य सभी राज्यों के ऐसे उत्पादों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। इन **'पीएम -एकता मॉल'** का उद्देश्य ओडीओपी के कारीगरों और उपभोक्ताओं को जोड़ना है।

❖ वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) 2023 के अनुसार कॉपोरेट अनुसंधान एवं विकास में अमेरिका सबसे आगे है, उसके बाद चीन और जर्मनी का स्थान है भारत, तुर्की, ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे मध्यम आय वाले देशों ने भी अपने अनुसंधान एवं विकास में वृद्धि का अनुभव किया है।

❖ पेटेंट नियम, 2024 को अधिसूचित किया गया, जिससे पेटेंट अधिग्रहण और प्रबंधन सरल हो गया है।

❖ **2016 में लगभग 300 स्टार्ट-अप** से मार्च 2024 के अंत तक डीपीआइआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप की संख्या बढ़कर 1.25 लाख से अधिक हो गई।

❖ केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में 66% सेवा क्षेत्र से है।

सेवा

❖ सेवा क्षेत्र वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल आकार का लगभग 54.7% प्रतिशत है।

❖ महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2021 को छोड़कर पिछले दशक के सभी वर्षों में सेवा क्षेत्र में 6 प्रतिशत से अधिक की वास्तविक वृद्धि दर देखी गई।

❖ वैश्विक स्तर पर, वर्ष 2022 में भारत का सेवा निर्यात दुनिया के वाणिज्यिक सेवा निर्यात का 4.4 प्रतिशत रहा।

❖ अनंतिम अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में सेवा क्षेत्र में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

❖ वित्त वर्ष 21 में इस क्षेत्र में कोविड के कारण 8.4% का सकुंचन था। शेष दशक में इस क्षेत्र की वृद्धि दर समग्र आर्थिक वृद्धि दर से अधिक रही।

❖ वित्त वर्ष 24 में सकल जीएसटी संग्रह 20.18 लाख करोड़ रूपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

❖ सेवा क्षेत्र में सबसे ज्यादा सक्रिय कंपनियाँ **(65 प्रतिशत)** हैं। सेवा क्षेत्र में, **व्यावसायिक सेवा में** सबसे ज्यादा सक्रिय कंपनियाँ (28 प्रतिशत) हैं, उसके बाद ट्रेडिंग (13 प्रतिशत) और सामुदायिक, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएँ (11 प्रतिशत) हैं।

❖ **वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र का योगदान 44 प्रतिशत था।**

❖ वैश्विक व्यापार के कमजोर पड़ने से वित्त वर्ष 24 के दौरान भारत के सेवा निर्यात पर असर पड़ा, जिसमें वृद्धि एक साल पहले 27.8 फीसदी से घटकर 4.8 फीसदी रह गई। **सेवा निर्यात में भारत पांचवें स्थान पर रहा।** अन्य 4 देश यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और चीन हैं।

❖ कम्प्यूटर सेवाओं और व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात में भारत के सेवा निर्यात का लगभग 73 प्रतिशत हिस्सा है और वित्त वर्ष 24 तक वर्ष-दर-वर्ष इसमें 9.6 प्रतिशत वृद्धि देखी गई।

❖ वित्त वर्ष 24 के दौरान, सेवाओं का आयात 178.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें पिछले साल के मुकाबले 2.1 प्रतिशत की कमी हुई।

❖ व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) ने **विश्व निवेश रिपोर्ट 2024** प्रकाशित की है और वर्ष 2023 के लिए एफडीआई अंत:वृद्धि (शीर्ष 20 मेजबान अर्थव्यवस्थाएं) के संबंध में भारत को **15वां स्थान** दिया है। डब्ल्यूआईआर 2024 के अनुसार, भारत अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों की संख्या के सबंध में दूसरा सबसे बड़ा और ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट घोषणाओं की संख्या के संबंध में चौथा सबसे बड़ा मेजबान

देश है।

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए एक व्यापक **'4ई' रणनीति** - इंजीनियरिंग (सड़कें और वाहन), एनफोर्समेंट (प्रवर्तन), इमरजेंसी केयर (आपातकालीन देखभाल) और एजुकेशन (शिक्षा) - भी तैयार की है।
- विश्व आर्थिक मंच के **यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक** 20224 में भारत 39वें स्थान पर पहुंच गया है। इस उद्योग ने 2023 में 92 लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन देखा।
- भारत तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। सरकार ने देशभर में 21 ग्रीन फील्ड हवाई अड्डों को मंजूरी दी है।
- वर्ष 2023 में, भारत में आवासीय रियल एस्टेट की बिक्री 2013 के बाद से सबसे अधिक थी, जिसमें 33 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई।
- **2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना** - शहरी (पीएमएवाई - यू) ने शहरी लाभार्थियों के लिए 1.2 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी है।
- भू-संपदा (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 (रेरा) को भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में जरूरी सुधार लाने के लिए अधिनियमित किया गया है।
- रेरा के लागू होने के बाद 2022 में ग्लोबल रियल एस्टेट ट्रांसपेरेंसी इंडेक्स में भारत 36वें स्थान पर है।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2050 तक भारत की आधी आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने लगेगी, जबकि 2011 में यह 31 प्रतिशत थी।
- पिछले दशक में, सूचना और कंप्यूटर से संबंधित सेवाएं तेजी से महत्वपूर्ण हो गई हैं, कुल जीवीए में उनकी हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2012-13 में 3.2 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 5.9 प्रतिशत हो गई है।
- **'फ्यूचर स्किल्स प्राइम'** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमआईटीवाई) और नेस्कॉम की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य आईटी पेशेवरों के कौशल में निरंतर वृद्धि और इकोसिस्टम बनाना है।''
- **डिजिटल कौशल कार्यक्रम** - इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और रोजगार के अवसरों के माध्यम से एक करोड़ छात्रों को कौशल, पुन: कौशल और कौशल उन्नयन प्रदान करना। **प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0)** युवाओं के बीच कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करती है, जो उद्योग 4.0, एआई, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ड्रोन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करती है।
- भारत में प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप की संख्या 2014 में लगभग 2,000 से बढ़कर 2023 में लगभग 31,000 हो गई है।
- वर्ष 2023 में स्टार्ट-अप के लिए शीर्ष क्षेत्र एडटेक (16 प्रतिशत), एंटरप्राइजटेक (12 प्रतिशत) बीएफएसआई (10 प्रतिशत), विज्ञापन और विपणन (7 प्रतिशत), रिटेलटेक (6 प्रतिशत), मीडिया और मनोरंजन (5 प्रतिशत), कंज्यूमरटेक (5 प्रतिशत), पेशेवर सेवाएं (4 प्रतिशत) और गेमिंग (4 प्रतिशत) थे।
- **नैसकॉम** के अनुसार, भारत का टेक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विश्व स्तर पर **तीसरे स्थान** पर है। विश्व की 16 प्रतिशत एआई प्रतिभा के साथ, भारत ने स्वयं को एक नवाचार हब के रूप में स्थापित किया है।
- 31 मार्च 2024 तक अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में **1.25 लाख से अधिक** डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप है।
- सरकार ने स्टार्ट-अप की वित्तपोषण की जरूरतों को पूरा करने के लिए **10,000 करोड़** रूपये के कोष के साथ स्टार्ट-अप के लिए **फंड ऑफ फंड्स** की स्थापना की है।
- **2021** में शुरू की गई **स्टार्ट-अप इंडिया सीड फंड स्कीम** का उद्देश्य अवधारणा के प्रमाण, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार में प्रवेश और व्यावसायीकरण के लिए स्टार्ट-अप को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

दूरसंचार

- भारत में कुल टेलीघनत्व मार्च, 2014 में 75.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2024 में 85.7 प्रतिशत हो गया। मार्च, 2024 में इंटरनेट घनत्व भी बढ़कर 68.2 प्रतिशत हो गया।
- भारत में 6जी नेटवर्क प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और उपयोजित करने के लिए **मार्च, 2023 में भारत 6जी विजन दस्तावेज** लॉन्च किया गया था।
- देश में सभी ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान

करने के लिए संशोधित भारत नेट प्रोग्राम की शुरुआत की गई है।

- मई, 2023 में शुरू किया गया **संचार साथी पोर्टल**, मोबाइल ग्राहकों को सशक्त बनाने, उनकी सुरक्षा को सुदृढ़ करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नागरिक-केंद्रित पहल है। संचार साथी पोर्टल में कई घटक हैं, जिनमें मार्च, 2024 में शुरू की गई **चक्षु सुविधा** भी शामिल है, जिसका उपयोग संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट करने के लिए किया जाता है।

ई-कॉमर्स

- भारतीय ई-कामर्स उद्योग के 2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर पार करने की संभावना है।
- प्रमुख विनियमों में उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और डिजिटल प्लेटफॉर्म की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 शामिल हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 एक व्यापक डेटा संरक्षण ढांचा प्रदान करता है।
- **ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स** - (जनवरी 2022) उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की एक अग्रणी पहल है, जिसका उद्देश्य डिजिटल कॉमर्स का लोकतंत्रीकरण करना और छोटे व्यवसायों को समान अवसर प्रदान करके डिजिटल कॉमर्स के लाभों का फायदा उठाने में सक्षम बनाना है।

व्यापार

- वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत का हिस्सा - 1.8%
- वैश्विक सेवा निर्यात में हिस्सा - 4.3%
- रक्षा निर्यात में शीर्ष 25 निर्यातक देशों में स्थान प्राप्त।

फुटवियर -प्रथम उत्पादक -चीन
द्वितीय उत्पादक-भारत(नवाँ सबसे बड़ा निर्यातक)
वैश्विक उत्पादन का 13%
वैश्विक निर्यात का 2%

स्मार्टफोन- दुनिया का छठा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक (2022-23 में)

- वितीय वर्ष 2023-24 में स्मार्टफोन का निर्यात कुल स्मार्टफोन उत्पादन के 31% से अधिक रहा

- **भारत के प्रमुख निर्यात भागीदार (2023-24)**

I. UAE II. सिंगापुर
III. चीन IV. रूस
V. ऑस्ट्रेलिया

- विश्व के दूरसंचार, कम्प्युटर व सूचना सेवा निर्यात में भारत का स्थान - 2nd
- व्यक्तिगत, सांस्कृतिक व मनोरंजन सेवाओं के निर्यात में स्थान - 6th
- व्यावसायिक सेवा निर्यात में स्थान - 8th
- परिवहन सेवा सेवा निर्यात - 10th
- यात्रा सेवा निर्यात - 14th
- **लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेन्स इन्डेक्स (वर्ल्ड बैंक) में 2023 में 38th स्थान जो 2018 में 44th था।**
- वित्त वर्ष 2014-15 के बाद 2023-24 में FPI प्रवाह का उच्चतम स्तर रहा तथा विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे उल्लेखनीय वृद्धि रही।

वर्ष 2023-24 में पण्य निर्यात

- इंजिनियरिग वस्तुओं का कुल पण्य निर्यात में हिस्सा - 25%
- कृषि व सम्बद्ध उत्पादो का कुल पण्य निर्यात में हिस्सा - 11%
- रासायनिक व प्लास्टिक - 8.6%
- कपड़ा क्षेत्र - 8%
- इलेक्ट्रॉनिक्स - 6.7%
- फार्मास्युटिकल्स व ड्रग्स - 6.4%

- विश्व इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2021-22 में 0.88% हो गई (24वें स्थान)।
- भारत का सेवा निर्यात पिछले 30 वर्षों (1992-93 से 2021-22) में 14% से अधिक की मजबूत सीएजीआर से बढ़ा।

प्रमुख मद -

I. अन्य व्यावसायिक सेवाएँ II. यात्रा III. परिवहन

IV. दूरसंचार, कम्प्युटर व सूचना सेवाएं

- ❖ तेलंगाना भारत के फार्मा उत्पादन में 30% से अधिक का योगदान देता है।

UAE व भारत

- ❖ रत्न व आभूषण, अनाज व ईंधन के लिए भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार।
- ❖ दूसरा सबसे बड़ा निर्यात स्थल
- ❖ आठवाँ सबसे बड़ा निवेशक
- ❖ 2023-24 में भारत का चालू खाता घाटा GDP का 0.7% रहा।

- ❖ विदेशी वित्तपोषण के बड़े स्रोत - 1. सेवा निर्यात, 2. विप्रेषण
- ❖ विश्व बैंक के अनुसार भारत सबसे ज्यादा प्रेषण प्राप्तकर्ता देश है (2022-23 में 120 बिलियन डॉलर)

भारत का विदेशी व्यापार

2023-24

	निर्यात	आयात (बिलियन डॉलर)
वस्तु	437	675.4
सेवा	341.1	178.3
कुल	778.1	853.7

बजट 2024-25 (23 जुलाई 2024)

- ❖ बजट अनुमान - 48,20,512 करोड रू.

  राजकोषीय घाटा अनुमान - GDP का 4.9%

  राजस्व घाटा अनुमान - GDP का 1.8%

  प्राथमिक घाटा अनुमान - GDP का 1.4%

  प्रभावी घाटा अनुमान - GDP का 0.6%

  बजट अनुमान वर्ष 2023-24 (संशोधित) - 44,90,486 करोड रू.

- ❖ **मुख्य वर्गों पर ध्यान**

  1. गरीब
  2. महिलाएं
  3. युवा
  4. अन्नदाता

- ❖ **बजट का मुख्य विषय**

  1. रोजगार
  2. कौशल प्रशिक्षण
  3. एमएस एमई (MSME)
  4. मध्यम वर्ग

- ❖ **बजट प्राथमिकताएं**

  1. कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता
  2. रोजगार और कौशल प्रशिक्षण
  3. समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय
  4. विनिर्माण और सेवाएं
  5. शहरी विकास
  6. ऊर्जा सुरक्षा
  7. अवसंरचना
  8. नवाचार, अनुसंधान और विकास, और
  9. अगली पीढ़ी के सुधार

1. कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता -

- ❖ **परिवर्तनकारी कृषि अनुसंधान** - उत्पादकता बढ़ाने और जलवायु के अनुकूल किस्मों के विकास पर जोर देने के लिए कृषि अनुसंधान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा होगी।
- ❖ **नई किस्मों को शुरू करना** - 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली और जलवायु किस्में जारी की जाएंगी।
- ❖ **प्राकृतिक कृषि** - अगले दो वर्षों में पूरे देश में **एक करोड़ किसानों** को प्राकृतिक कृषि के लिए सहायता दी जाएगी जिसमें

प्रमाण-पत्र और ब्रांडिंग व्यवस्था भी शामिल होगी। इसका कार्यान्वयन वैज्ञानिक संस्थाओं और इच्छुक ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा। **10,000 आवश्यकता आधारित जैव-आदान संसाधन केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।**

- ❖ **दलहन और तिलहन मिशन** - दलहनों और तिलहनों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए उत्पादन, भंडारण और विपणन को सुदृढ़ बनाएंगे। सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसी तिलहनों के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु एक कार्यनीति बनाई जा रही है।
- ❖ **सब्जी उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला**- प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों के नजदीक बड़े पैमाने पर सब्जी उत्पादन क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। उपज के संग्रहण, भंडारण और विपणन सहित सब्जी आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए किसान - उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और स्टार्ट-अप को बढ़ावा दिया जाएगा।
- ❖ **कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना** - 3 वर्षों में किसान और जमीन को शामिल करने के उद्देश्य से राज्यों के साथ मिलकर कृषि में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को लागू किया जाएगा।

2. रोजगार और कौशल प्रशिक्षण -

पीएम पैकेज (रोजगार संबद्ध प्रोत्साहन के लिए 3 योजनाएं)

1. योजना -क (पहली बार रोजगार प्राप्त करने वाले)

- सभी औपचारिक क्षेत्रों में पहली बार रोजगार प्राप्त करने वाले को 3 किस्तों में 15,000 तक 1 माह का वेतन
- इससे 210 लाख युवाओं को लाभ प्राप्त होने की आशा है।

2. योजना - ख (विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन)

- प्रथम 4 वर्ष में अंशदान के लिए विशिष्ट पैमाने पर कर्मचारी और नियोक्ता दोनों को प्रोत्साहन।
- इससे 30 लाख युवाओं को लाभ प्राप्त होने की आशा।

3. योजना - ग (नियोक्ताओं को सहायता)

- सरकार नियोक्ताओं के ईपीएफओ अंशदान के लिए उन्हें 2 वर्षों तक 3000 रूपए प्रतिमाह की प्रतिपूर्ति करेगी।
- इससे 50 लाख नौकरियों के सृजन होने की आशा।

- ❖ **उद्योग के सहयोग से कामकाजी महिला हॉस्टलों की स्थापना** करके कामगारों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को सुविधाजनक बनाना तथा शिशु गृहों की स्थापना करना।
- ❖ **सरकार संवर्धित निधि गारंटी के साथ 7.5 लाख रूपये तक का ऋण।**
  - इससे प्रतिवर्ष 25,000 छात्रों को सहायता मिलने की आशा है।
- ❖ **घरेलू संस्थानों में उच्चतर शिक्षा के लिए 10 लाख रूपये तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता।**
  - प्रति वर्ष 1 लाख विद्यार्थियों को ई-वाउचर।
  - 3 वार्षिक ब्याज सहायता।
- ❖ **कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम (PM पैकेज में 4th योजना)**- 5 वर्षों की अवधि में 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।
  - परिणाम उन्मुख दृष्टिकोण के साथ हब और स्पोक मॉडल में 1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो का उन्नयन किया जाएगा
  - उद्योग की कौशल संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप पाठयक्रम की विषय-वस्तु और फ्रेमवर्क तैयार किए जाएंगे।

3. समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय-

- ❖ **पूर्वोदय: विकास भी विरासत भी** - विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आर्थिक अवसरों का सृजन करने के लिए पूर्वी क्षेत्र के प्राकृतिक निधि संपन्न राज्यों के लिए योजना। इसमें बिहार, झारखंड पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश को भी शामिल किया गया हैं।
- ❖ **गया में औद्योगिक नोड के विकास के साथ अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर।**
- ❖ महिलाओं और बालिकाओं की योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रूपए से अधिक आवंटन।
- ❖ **प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान- 63,000 गांवों** को कवर करते हुए आदिवासी समुदायों की सामाजिक - आर्थिक स्थिति में सुधार। इससे 5 करोड़ जनजातीय लोगों को लाभ होगा।
- ❖ पूर्वोत्तर क्षेत्र में **इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक** की 100 से अधिक शाखाएं खोली जाएंगी
- ❖ **आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम**-
  - वित्त वर्ष 24-25 में 15000 करोड़ रू. की वित्तीय सहायता की व्यवस्था की जाएगी।
  - देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पोलावरम सिंचाई परियोजना को पूरा करना।
  - विशाखापट्टनम-चैन्नई औद्योगिक कॉरिडोर पर कोपार्थी नोड में और हैदराबाद - बंगलुरू औद्योगिक कॉरिडोर में ओरवाकल नोड में पानी, बिजली, रेल और सड़कों जैसी आवश्यक अवसंरचना।

4. विनिर्माण व सेवा-

❖ **विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई के लिए ऋण गारंटी योजना** –

मशीनरी और उपकरण की खरीद के लिए एमएसएमई को आवधिक ऋण की सुविधा देने के लिए एक ऋण गारंटी योजना प्रांरभ की जाएगी।

❖ **एमएसएमई ऋण के लिए नया आकलन मॉडल** –

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऋण के लिए एमएसएमई के आकलन हेतु बाहरी आकलन के भरोसे रहने की बजाए अपनी इन – हाउस क्षमता का निर्माण करेंगे।

❖ **संकट की अवधि के दौरान एमएसएमई को ऋण सहायता** –

सरकार संवर्धित निधि से गारंटी द्वारा ऋण उपलब्धता में सहायता की जाएगी।

❖ **मुद्रा ऋणों की सीमा को उन उद्यमियों के लिए मौजूदा रू. 10 लाख से बढ़ाकर रू. 20 लाख कर दिया जाएगा जिन्होंने 'तरूण' श्रेणी के अंतर्गत ऋण लिया है और पहले के ऋणों को सफलतापूर्वक चुका दिया है।**

❖ **ट्रेड्स में अनिवार्य रूप से शामिल होने के लिए और अधिक संभावना**–

– कारोबार की सीमा को रू. 500 करोड़ से घटाकर रू. 250 करोड़ करने का प्रस्ताव। 22 और सीपीएसई तथा 7000 और कंपनियों को इस प्लेटफॉर्म पर लाया आएगा।

– एमएसएमई क्षेत्र 50 मल्टी–प्रोडक्ट फूड इरेडिएशन इकाइयां स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

❖ **ई–कॉमर्स निर्यात केन्द्र** – एमएसएमई तथा पारंपरिक कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पादों को बेचने में सक्षम बनाने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में **ई–कॉमर्स निर्यात केंद्र** स्थापित किए जाएंगे।

❖ **प्रधानमंत्री पैकेज के अंतर्गत 5वीं योजना** के रूप में 500 शीर्ष कंपनियों में **5 वर्षों** में **1 करोड़ युवाओं** को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक व्यापक योजना की शुरूआत करेगी।

– इस योजना में रू. **5000 प्रतिमाह** का इंटर्नशिप भत्ता और रू. 6000 की एकबारगी सहायता दी जाएगी।

– राज्यों और निजी क्षेत्र की साझेदारी से 100 शहरों में या उसके आस–पास संपूर्ण अवसंरचना के साथ निवेश हेतु तैयार 'प्लग एंड प्ले' औद्योंगिक पार्कों को विकसित करने में सहायता की जाएगी।

❖ **राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बारह औद्योगिक पार्कों को मंजूरी दी जाएगी।**

❖ औद्योगिक कामगारों के लिए वीजीएफ सहायता और एंकर उद्योगों की प्रतिबद्धता के साथ पीपीपी मोड में डोरमेट्री जैसे आवास वाले किराए के मकानों की सुविधा प्रदान की जाएगी।

❖ **महत्वपूर्ण खनिज मिशन** – महत्वपूर्ण खनिजों के घरेलू उत्पादन, रिसाइक्लिंग और विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज आस्तियों का अधिग्रहण करने के लिए महत्वपूर्ण खनिज मिशन स्थापित किया जाएगा।

❖ दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के अंतर्गत परिणामों को बेहतर बनाने तथा निरंतरता, पारदर्शिता, समयोचित प्रसंस्करण तथा बेहतर पर्यवेक्षण हेतु सभी हितधारकों के लिए एक एकीकृत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा।

5. शहरी विकास –

❖ **स्टाम्प ड्यूटी**– महिलाओं द्वारा खरीदी गई संपतियों पर स्टाम्प ड्यूटी को कम करने के लिए राज्यों को प्रोत्साहित करना।

❖ **स्ट्रीट मार्केट** – चयनित नगरों में 100 साप्ताहिक हाट अथवा स्ट्रीट फूड हब विकसित करने की योजना की परिकल्पना।

❖ **ट्रांजिट उन्मुख विकास**–30 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 14 बड़े नगर के लिए ट्रांजिट उन्मुख विकास ।

❖ **जल प्रबंधन** – जल आपूर्ति सीवेज ट्रीटमेंट तथा ठोस कचरा प्रबंधन परियोजनाएं/ परियोजनाओं के माध्यम से 100 बड़े शहरों को सेवाएं उपलब्ध कराना।

❖ **पीएम आवास योजना शहरी 2.0 – 10 लाख करोड़** रू. का निवेश करके **1 करोड़ शहरी गरीबों तथा मध्य वर्ग** की आवश्यकताएं पूरी होगी।

❖ अधिक उपलब्धता के साथ कुशल तथा पारदर्शी रेंटल हाउसिंग मार्केट के लिए सामर्थ्यकारी नीतियां तथा विनियम लागू किए जाएंगे।

प्राथमिकता 6 : ऊर्जा सुरक्षा

❖ **ऊर्जा परिवर्तन** – अंतरिम बजट में की गई घोषणा के अनुरूप, **एक करोड़ घरों को प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली** प्राप्त करने में सक्षम बनाने हेतु रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए **पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना** का शुभारंभ किया गया है।

❖ **नाभिकीय ऊर्जा में निजी क्षेत्र के साथ पहल**–

– भारत लघु रिएक्टरों की स्थापना

– भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर और नाभिकीय ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और विकास।

❖ **ऊर्जा लेखा– परीक्षा**–

– सूक्ष्म और लघु उद्योगों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए वित्तीय सहायता।

- 60 कलस्टरों में ऊर्जा लेखा- परीक्षा की सुविधा, अगले चरण में इसे 100 कलस्टरो तक बढ़ाया जाएगा।

❖ **पम्प्ड स्टोरेज पॉलिसी**- बिजली भंडारण और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी के सहज एकीकरण के लिए।

❖ **एयूएससी ताप विद्युत संयंत्र**- एनटीपीसी और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम पूर्ण क्षमता वाले 800 मेगावाट के वाणिज्यिक संयंत्र की स्थापना करेगा।

❖ **प्राथमिकता - 7 अवसंरचना**

- अवसंरचना के लिए रू. 11,11,111 करोड़ का प्रावधान (जीडीपी का 3.4%)

- संसाधन आवंटन को सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों को दीर्घावधिक ब्याज मुक्त ऋण के रूप में रू. 1.5 लाख करोड़ रू.।

- 25,000 ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएनजीएसवाई) का चरण IV शुरू किया जाएगा।

❖ **सिंचाई एवं बाढ़ उपशमन**-

कोसी - मेची अंतर्राज्यीय लिंक और 20 अन्य चालू और नई स्कीमों जैसी परियोजनाओं के लिए रू. 11500 करोड़ की अनुमानित लागत के साथ वित्तीय सहायता।

- असम, सिक्किम और उत्तराखण्ड में बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए सहायता।

- हिमाचल प्रदेश में पुननिर्माण और पुनर्वास के लिए सहायता।

प्राथमिकता - 8

❖ अनुसंधान - नेशनल रिसर्च फंड प्रस्तावित।

- 1 लाख करोड़ रू. का निवेश होगा।

❖ अंतरिक्ष - अंतरिक्ष क्षेत्र हेतु 1000 करोड़ की उद्यम पूंजी निधि।

प्राथमिकता - 9

❖ अगली पीढ़ी के सुधार।

- रोजगार, आर्थिक विकास, उत्पादकता को बढ़ावा
- भूमि सुधार
- श्रम सुधार
- उद्यमशीलता सुधार

❖ 2014-2015 में भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर 10वीं थी, जो अब 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।

❖ वर्ष 2020-21 में आर्थिक वृद्धि दर नकारात्मक रही (-5.83%)

❖ 2023-24 में वास्तविक GDP वृद्धि दर अनुमान = 8.2%
2022-23 में वास्तविक GDP वृद्धि दर = 7.0%

❖ वित्त वर्ष 2024 में औसत खुदरा मुद्रास्फीति 5.4% हो गई है।

❖ देश में बेरोजगारी दर 2022-23 में घटकर 3.2% हो गई है।